

तुला

तुला ने 18वीं शताब्दी के अंत में प्रतिरोध का आह्वान किया। वह कुराकाओ के डच कॉलोनी में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को लागू करना चाहता था। इन फ्रांसीसी आदर्शों से प्रेरित होकर, अश्वेत क्रांतिकारियों ने पहले ही हैती में दासता को समाप्त करने के लिए मजबूर कर दिया था। क्योंकि नीदरलैंड पर फ्रांसीसीयों का कब्जा था, तुला ने तर्क दिया कि कुराकाओ में भी दासता को समाप्त कर दिया जाना चाहिए।

तुला गुलामी में रहा था। इसका मतलब यह नहीं है कि वह अपने तत्काल परिवेश के बाहर होने वाली गतिविधियों से अनजान था। गुलाम लोगों ने कैरिबियन में कहीं और विद्रोह और कॉलोनीयों और यूरोप में राजनीतिक विकास के बारे में जानकारी का आदान-प्रदान किया। संगीत इसके लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम था।

तुला और उनके समर्थकों ने कुराकाओ की सरकार को अपना तर्क पेश करने का फैसला किया। उन्होंने बागान से बागान तक विलेमस्टेड की ओर मार्च किया और रास्ते में दो हजार लोगों से जुड़ गए। पांच सप्ताह के प्रतिरोध के बाद, तुला को गिरफ्तार कर लिया गया और दोषी ठहराया गया। उसे बेरहमी से प्रताड़ित किया गया और फिर उसका सिर कलम कर दिया गया। आज तुला को कुराकाओ और नीदरलैंड में एक नायक के रूप में मनाया जाता है।

फादर शिंक के साथ अपनी बातचीत में, तुला ने नीदरलैंड और सेंट-डोमिंग (हैती), 1795 की स्थिति का उल्लेख किया। प्रतिलेखन के साथ QR कोड

1885 से पहले तंबू संगीत में इस्तेमाल किया जाने वाला ड्रम, जिसमें वर्तमान घटनाओं के बारे में गाया जाता था।

1958 से पहले, कुराकाओ से एक बेंटा , निषिद्ध 'आत्माओं के संगीत' में इस्तेमाल किया जाने वाला एक मुंह धनुष

सेंट-डोमिंगु के अश्वेत क्रांतिकारियों के नेता टौसेंट ल'ऑवर्चर, कार्ल डी विंक, 1796-1799

1887 से पहले अरूबा का आदमी, संभवतः एक तंबू वादक।